सीयूजे में शुरू होंगे ट्रांसलेशन स्टडी कोर्स

तैयारी

- युवाओं को अनुवादक के रूप में करियर बनाने का मिलेगा मौका, विवि में पार्ट टाइम पीएचडी कोर्स भी होंगे

विशेष संवाददाता, रांची

झारखंड के युवाओं को अनुवादक के रूप में करियर बनाने का मौका मिलेगा. केंद्रीय विवि, झारखंड में अब ट्रांसलेशन स्टडी (अनुवाद अध्ययन) कोर्स शुरू किया जा रहा है. फिलहाल यह कोर्स सर्टिफिकेट व डिप्लोमा के रूप में शुरू होगा. इसके अलावा विवि में अब पार्ट टाइम पीएचडी कोर्स भी आरंभ करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है. विवि एकेडमिक काउंसिल ने इसके अलावा विवि में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर भौतिकी, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, संस्कृत व सांख्यिकी विषय में भी पढ़ाई शुरू करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है. स्वीकृति के लिए अब यूजीसी को प्रस्ताव भेजा गया.

नयी शिक्षा नीति लागू करने की कार्रवाई शुरू : विवि के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने बताया कि एकेडमिक काउंसिल में छात्रों, समाज व झारखंड के जनजातीय युवाओं के लिए विवि में इनवॉयरमेंट, सोसाइटी एंड गवर्नेंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड सेंटर फॉर इनोवेशन, इनोवेशन एंड इंटरप्रेन्योरशिप, सेंटर फॉर इंडीजिनस नॉलेज एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट सेंटर खोलने का निर्णय लिया गया है. विवि में नयी शिक्षा नीति लागू करने की कार्रवाई शुरू कर दी गयी है. डीन एकेडमिक अफेयर्स, डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट पद की स्वीकृति दी गयी है. लर्निंग आउटकम करिकुलम फ्रेमवर्क के तहत केमिस्ट्री, चाइनिज, कोरियन व अंग्रेजी विभाग को जोड़ने की स्वीकृति भी प्रदान की गयी है.

विवि ने हाल के दिनों में शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल की है. इसे देखते हुए विवि में शोध कार्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट के तहत यह कार्य करेगा. विवि में पीएचडी की नयी नीति की भी स्वीकृति प्रदान की गयी है. इसके अलावा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ एमओयू करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गयी है.

प्रो क्षिति भूषण दास, कुलपति, सीयूजे